आर पी एस डिग्री कॉलेज, बलाना (महेंद्रगढ़)

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

बी.ए. (हिंदी) 1st सेमेस्टर

विषय : हिन्दी **कोडः HI01**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. काव्य से परिचित कराना।
2. मध्यकालीन काव्य की जानकारी देना।
3. कविता की लय, ताल तुक से परिचित करना।
4. स्वयं कविता लिखने के लिए प्रेरित करना।
5. सस्वर वाचन का कौशल विकसित करना।
6. कविता के प्रति और हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों की रूचि विकसित करना।
7. हिंदी साहित्य काल विभाजन व आदिकाल की जानकारी उपलब्ध कराना।
8. काव्य के तत्वों, रस, अलंकार, शब्द शक्ति, काव्य गुण आदि का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम शिक्षण के परिणाम

1. विद्यार्थी काव्य से परिचित हो सकेंगे। मध्यकालीन काव्य, कवियों व उनकी काव्यकृतियों से परिचित हो सकेंगे। सस्वर काव्य पाठ करने में सक्षम हो सकेंगे। लय, ताल तुक की जानकारी अर्जित कर सकेंगे। कविता लेखन की ओर अग्रसर हो सकेंगे।
2. हिंदी साहित्य के बारे मे जान सकेंगे। साहित्य के काल विभाजन से परिचित हो सकेंगे। आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियों से अवगत हो सकेंगे। आदिकाल के नाम करण व सामान्य प्रवृतियों की जानकारी ले सकेंगे। रासो काव्य परम्परा को जान सकेंगे।
3. काव्यशास्त्र से परिचित हो सकेंगे। काव्य के तत्वों के बारे में जान सकेंगे। रस व रस के भेदों का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे। काव्य–गुण, शब्द शक्ति व अलंकारों की विस्तृत जानकारी ले सकेंगे।

आर पी एस डिग्री कॉलेज, बलाना (महेंद्रगढ़)

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

बी.ए. (हिंदी) 2nd सेमेस्टर

विषय : हिन्दी **कोडः HI02**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. हिंदी नाटक के उद्भव से परिचित कराना।
2. हिंदी नाटक के इतिहास की जानकारी देना।
3. नाटक के इतिहास के विविध कालखंडों की प्रमुख प्रवृतियों से अवगत कराना।
4. सस्वर वाचन की आदत विकसित करना।
5. मौन वाचन द्वारा स्वाध्याय की आदत विकसित करना।
6. हिंदी साहित्य के भक्तिकाल की जाकारी देना।
7. व्यावहारिक हिंदी का ज्ञान कराना।

पाठ्क्रम परिणाम

1. हिंदी नाटक के उद्भव विकास से परिचित हो सकेंगे। नाटक के विभिन्न तत्त्वों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। सस्वर वाचन के माध्यम से उच्चारण में शुद्धता ला सकेंगे। हिंदी भाषा के प्रति रूचि विकसित होगी।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित हो सकेंगे। काल विभाजन की जाकारी मिलेगी। भक्ति के उद्भव के कारण जानने में सक्षम हो सकेंगे। भक्ति काल की विभिन्न धाराओं से परिचित हो सकेंगे। भक्तिकाल के कवियों के बारे में जान सकेंगे। भक्तिकाल अन्य कालों से श्रेष्ठ क्यों है, यह जानने में सक्षम हो सकेंगे।
3. व्यावहारिक हिंदी का परिचय पा सकेंगे। भाषा के विविध रूपों की जाकारी ले सकेंगे। हिन्दी वर्णमाल का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। हिंदी वर्तनी से परिचित हो सकेंगे। हिंदी भाषा में लोकोक्तियों और मुहावरों की महत्ता को समझने में सक्षम हो सकेंगे।

आर पी एस डिग्री कॉलेज, बलाना (महेंद्रगढ़)

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

बी.ए. (हिंदी) 3rd सेमेस्टर

विषय : हिन्दी **कोडः HI03**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. पद्यकाव्य से परिचित कराना।
2. आधुनिक हिंदी कविता की जानकारी उपलब्ध कराना।
3. कविता की लय, ताल व तुक से परिचित कराना।
4. सस्वर वाचन का कौशल विकसित करना।
5. स्वयं कविता लिखने के लिए प्रेरित करना।
6. श्रवण कौशल विकसित करना।
7. हिंदी कविता व हिंदी भाषा के प्रति रूचि जाग्रत करना।
8. हिंदी साहित्य और काल विभाजन की जानकारी देना।
9. हिन्दी साहित्य के रीतिकाल से अवगत कराना।
10. प्रयोजन मूलक हिंदी की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम शिक्षण के परिणाम

1. विद्यार्थी पद्यकाव्य से परिचित हो सकेंगे। आधुनिक हिंदी कविता, कवियों व उनके काव्य ग्रथों से परिचित हो सकेंगे। सस्वर कविता वाचन करने में समर्थ हो सकेंगे। स्वयं कविता लिखने की ओर अग्रसर हो सकेंगे। श्रवण कौशल विकसित होगा। उच्चारण में शुद्धता ला सकेंगे। लय, तुक, ताल का महत्व जान सकेंगे।
2. हिंदी साहित्य के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। काल–विभाजन से परिचित हो सकेंगे। रीतिकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि से अवगत हो सकेंगे। रीतिकालीन काव्यधाराओं की प्रवृतियों को जान सकेंगे। रीतिकालीन उपलब्धियों का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
3. प्रयोजन मूलक हिंदी की जानकारी ले सकेंगे। कंप्यूटर के स्वरूप और महत्व से परिचित होंगे। ई–मेल, इंटरनेट और अनुवाद से परिचित हो सकेंगे।

आर पी एस डिग्री कॉलेज, बलाना (महेंद्रगढ़)

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

बी.ए. (हिंदी) 4th सेमेस्टर

विषय : हिन्दी **कोडः HI04**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. हिंदी कहानी के उद्भव से परिचित कराना।
2. प्रारंभिक हिंदी कहानी की स्थिति से अवगत कराना।
3. हिंदी कहानी के विकासक्रम की जानकारी देना।
4. कहानी कला में आए बदलाव से अवगत कराना।
5. कहानी के वर्तमान परिदृश्य को समझाना।
6. सस्वर वाचन की आदत विकसित करना।
7. मौन वाचन द्वारा स्वाध्याय की आदत विकसित करना।
8. हिंदी साहित्य के आदिकाल की जानकारी कराना।
9. आदिकालीन साहित्य की गद्य विधाओं से परिचित कराना।
10. पारिभाषिक शब्दावली की जानकारी देना।

पाठ्क्रम शिक्षण के परिणाम

1. विद्यार्थी हिंदी कहानी के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे। कहानी के तत्वों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। सस्वर वाचन से उच्चारण में शुद्धता लाने में सक्षम होंगे। स्वाध्याय का कौशल विकसित हो सकेगा। हिंदी भाषा के प्रति रूचि विकसित होगी। कल्पना शक्ति का विकास होगा। कहानी लेखन का कौशल विकसित हो सकेगा।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित हो सकेंगे। काल विभाजन की जानकारी ले सकेंगे। आधुनिक काल की परिचित हो सकेंगे। खड़ी बोली से परिचित हो सकेंगे। आधुनिक गद्य विधाओं के विकास से परिचित हो सकेंगे।
3. पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप व महत्व को जान सकेंगे। पारिभाषिक शब्दावली के गुण की जानकारी ले सकेंगे। पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध सम्प्रदायों की विस्तृत जानकारी लेने में सक्षम होंगे।

आर पी एस डिग्री कॉलेज, बलाना (महेंद्रगढ़)

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

बी.ए. (हिंदी) 5th सेमेस्टर

विषय : हिन्दी **कोडः HI05**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. पद्यकाव्य से परिचित कराना।
2. हिंदी कविता के विभिन्न कालों की जानकारी देना।
3. समकालीन हिंदी कविता, कवियों व काव्य रचनाओं की जानकारी देना।
4. सस्वर वाचन के माध्यम से लय, तुक, ताल की जानकारी देना।
5. श्रवण कौशल विकसित करना।
6. लेखन कौशल विकसित करना।
7. कविता व हिंदी भाषा के प्रति रूचि जाग्रत करना।
8. हिंदी साहित्य से परिचित कराना।
9. आधुनिक कालीन कविता की विभिन्न धाराओं की प्रवृतियों का ज्ञान देना।
10. प्रयोजन मूलक हिंदी की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम शिक्षण के परिणाम

1. विद्यार्थी पद्य से परिचित हो सकेंगे। समकालीन हिन्दी कविता की विस्तृत जानकारी ले सकेंगे। सस्वर पाठ करने में सक्षम हो सकेंगे। लेखन की ओर अग्रसर हो सकेंगे। श्रवण कौशल विकसित हो सकेगा।
2. हिन्दी साहित्य से अवगत हो सकेंगे। आधुनिक कालीन कविता, कवियों व उनकी रचनाओं का परिचय पा सकेंगे। आधुनिक हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।
3. प्रयोजन मूलक हिंदी के स्वरूप से परिचित होंगे। पत्र लेखन की जानकारी ले सकेंगे। विभिन्न विभागों को (आवश्यकता पड़ने पर) पत्र लिखने में सक्षम हो सकेंगे। संक्षेपण और पल्लवन के नियमों की जानकारी ले सकेंगे।

आर पी एस डिग्री कॉलेज, बलाना (महेंद्रगढ़)

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

बी.ए. (हिंदी) 6th सेमेस्टर

विषय : हिन्दी **कोडः HI06**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. नव्यतर गद्य विधाओं के उद्भव की जानकारी देना।
2. गद्य पढ़ने की रूचि विकसित करना।
3. सस्वर वाचन द्वारा उच्चारण की शुद्धता विकसित करना।
4. श्रवण कौशल विकसित करना।
5. स्वाध्याय की आदत विकसित करना।
6. हिंदी भाषा के प्रति रूचि विकसित करना।
7. लेखन कौशल विकसित करना।
8. हरियाणवी भाषा के उद्भव व विकास से परिचित कराना।
9. हरियाणवी भाषा के आधुनिक साहित्य से परिचय कराना।
10. पत्रकारिता के विषय में विस्तृत ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम शिक्षण के परिणाम

1. आधुनिक नव्यतर गद्य विधाओं (निबंध, संस्मरण, ललित निबंध, व्यंग्य, यात्रा वृतांत) की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। सस्वर वाचन से उच्चारण शुद्ध होगा तथा श्रवण कौशल विकसित होगा। स्वाध्याय की आदत से कल्पना शक्ति का विकास होगा और विद्यार्थी लेखन की ओर अग्रसर हो सकेंगे।
2. हरियाणवी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे। हरियाणवी भाषा की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। हरियाणा की सांग परम्परा की जानकारी ले सकेंगे। हरियाणवी भाषा के आधुनिक साहित्य की गद्य व पद्य विधाओं के बारे में विस्तार से जान पाएंगे। हरियाणवी भाषा में साहित्य लेखन की ओर अग्रसर हो सकेंगे।
3. पत्रकारिता के स्वरूप, प्रकार और महत्व को जान सकेंगे। शीर्षक की संरचना से परिचित हो सकेंगे। फीचर लेखन से परिचित हो सकेंगे। संपादक के गुण और दायित्वों से परिचित हो सकेंगे।